घर का बीमा
क्या है इसका असली मतलब?

जब आपसे यह कहा जाता है कि आप घरेलू पैकेज बीमा पॉलिसी लीजिए तो इससे आप क्या समझते हैं। एक साधारण व्यक्ति इसे एक ऐसी बीमा पॉलिसी समझता है, जो घर के नुकसान या घर में रखे सामान के नुकसान के लिए बीमा करती है। यदि यह बीमा पॉलिसी की पर्याप्त व्याख्या नहीं है तो क्या इसका अर्थ यह है कि इसे और अधिक व्यापक तरीके से समझने की आवश्यकता है। हाँ, और यही वजह है कि 'कंस्यूमर वॉयस' टीम यहां आपको घरेलू बीमे के बारे में संपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत कर रही है। इससे आपको असल जीवन की परिस्थितियों के अनुसार बीमे को समझने में सहायता मिलेगी।

गोपाल रवि कुमार एवं सुभाष तिवारी की रिपोर्ट

होम इंश्योरेंस पॉलिसी से आपके घर की सुरक्षा तो होती ही है साथ ही मानसिक शांति और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने रहने के लिए भी यह जरूरी है। कुछ घटनाएं जैसे– प्राकृतिक आपदा, मानव निर्मित आपदा, चोरी, दुर्घटना आदि के रूप में आ सकती हैं। होम इंश्योरेंस से हम ऐसी स्थितियों या नुकसान से निपटने के लिए तैयार रह सकते हैं। इस रिपोर्ट के माध्यम से आप होम इंश्योरेंस पॉलिसियों के सभी पहलुओं को समझ सकते हैं तथा अपनी आवश्यकता के अनुरूप उचित पॉलिसी का चयन कर सकते हैं। आप विभिन्न पॉलिसियों के दामों की तुलना करके उनसे मिलने वाले लाभ और अपवादों को समझते हुए किसी भी पॉलिसी को खरीदने का निर्णय कर सकते हैं।

एक सामान्य होम इंश्योरेंस पॉलिसी तीन आधारभूत कवरेज प्रदान करता है। इसमें (अ) आपके घर की संरचना, (ब) वस्तुओं (सम्पत्ति) का कवर, और (स) लोगों को कवर (परिवार के सदस्य और तीसरा पक्ष) मिलता है। यह संभव है कि आप बीमा कवर को प्रत्येक सदस्य की खर्च करने की क्षमता और आवश्यकता के अनुसार लें। आपके बीमा कवर के अंतर्गत जिन वस्तुओं को रखना है उन्हें चुन सकते हैं। कवरेज मूल्य आपके उत्पाद के पुनःस्थापन मूल्य या मौजूदा बाजार मूल्य पर निर्भर करता है। इसमें निजी दुर्घटना बीमा कवर, स्थायी शारीरिक अयोग्यता एवं बीमा धारक की मृत्यु भी शामिल रहती है। इस तरह के प्रकरणों में नामित (जिसे नॉमिनी बनाया गया) को पहले से निर्धारित की गई क्षतिपूर्ति रकम दे दी जाती है।

होम इंश्योरेंस किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति पर होने वाले नुकसान, क्षति, प्राकृतिक एवं मानवनिर्मित आपदा पर कवर प्रदान करता है।

(1) प्राकृतिक : अग्नि, झंझावात, आंधी, चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन और बिजली गिरना इत्यादि।

(2) मानवनिर्मित : अग्नि, सेंध, चोरी, वायुयान से हुआ नुकसान, द्वेषपूर्ण हानि, आतंकवाद, हड़ताल, दंगा, विस्फोट इत्यादि।

भारतीय बीमा नियामक विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) इस तरह के बीमा को संपत्ति बीमा की श्रेणी में रखता है।

सभी बिंदुओं को कवर करना

आपने आपके घर की सुरक्षा की जो आवश्यकताएं है उस प्रकार से आंकलन किया है, अब आप यह मूल्यांकन करिए कि कौन सी पॉलिसी आपको तय जोखिमों पर सविस्तार बीमा कवर उपलब्ध कराएगी। बीमा कवर की सीमा को तय करते समय एकदम सही हों। क्या यह पॉलिसी आपके घर की संरचना, सामग्री या दोनों को कवर दे रही है। यदि आप किसी ऐसे स्थान पर रह रहे हैं, जहां किसी विशेष प्रकार की प्राकृतिक आपदा की संभावना बनी रहती है तो ऐसी पॉलिसी न लें, जो उस संभावित खतरे पर कवर प्रदान न करे। यह सुनिश्चित कर लें कि बीमा कवर के विस्तार के अनुसार उसकी बीमा किस्त भी भिन्न हो सकती है।

विभिन्न श्रेणियों जैसे आग और उससे संबद्ध आपदाओं के लिए संरचना या स्ट्रक्चर कवर और आग और उससे संबद्ध आपदाओं (फर्नीचर, विद्युत उपकरणो और सामानों की टूट–फूट) के लिए कवर। साथ ही, आपके घर में सेंध एवं चोरी से बचाने का विकल्प भी दिया जाता है। इस चरण से यह स्पष्ट हो जाता है कि किस तरह की सुरक्षा और कवर राशि आपको बीमा कंपनी द्वारा दी जा रही है। कवर के लिए राशि तय करने और विभिन्न श्रेणियों मे और नुकसान के प्रकार को जानने के लिए हम हमारे घर और उसके सामानों की कीमत के बारे में स्पष्ट हों।

आग लगने पर, वहां हमें इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर को बदलवाने और घर की मरम्मत के लिए कितना खर्च होना चाहिए? यदि डकैती हुई है तो गहनों के लिए कितनी राशि की जरूरत होगी? वहां बाढ़ या भूकंप आने पर, आपके घर को फिर से बनाने के लिए कितना धन चाहिए होगा?

आपदा कवर

आग नीति के अंतर्गत संबद्ध (विशेष) आपदा कवर : आग के लिए बीमे का संबंध उससे जुड़ी आपदा से है– उदाहरण के लिए यदि आग से स्थाई कांच का नुकसान होता है, घरेलू उपकरण (टीवी/वीसीआर/डीवीडी, पीसी, लैपटॉप) टूट फूट, नुकसान के बाद पुनर्निर्माण के लिए व्यावसायिक शुल्क का भुगतान, क्षतिग्रस्त घर के कारण जगह बदलने पर किराये का भुगतान, दस्तावेजों का खोना (पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस)। इसके अंतर्गत बिजली के कारण होने वाला नुकसान, विस्फोट/अंतःस्फोट, हवाई जहाज से होने वाला नुकसान, दंगे, हड़ताल, आतंकवाद, तूफान, चक्रावात, बवंडर, झंझावात, समुद्री तूफान, बाढ़ और सैलाब, जमीन के सरकने, जिसमें पत्थरों के लुढ़कने, फटने/या पानी की टंकी के अत्यधिक बह जाने, उपकरण और पाइप, मिसाइल–परीक्षण अभियान, स्थापित स्वचालित फव्वारे से रिसाव, जंगल में लगी आग और भूकंप (आग और झटका) शामिल हैं। इसलिए यदि आप घर के सामानों के लिए आग कवर के साथ बीमा ले रहे हैं तो आप स्वतः इन आपदाओं के लिए कवर हो जाते हैं।

चोरी की नीति के तहत कवर होने वाले लाभ : यह घर में चोरी या सेंधमारी, घर के सामानों की डकैती, घर से अस्थाई रूप से अनुपस्थित होने के दौरान सामानों का सुरक्षित रखना, सामग्री जो निजी आवास से निकाल ली गई है (एक के घर के अलावा अन्य) बीमित व्यक्ति/बीमा के दौरान परिवार द्वारा कब्जा कर लिया गया हो, पेड़ों/बिजली के खंभे/दीपस्तंभ या लैंपपोस्ट के गिरने से होने वाली क्षति का प्रभाव, टेलीविजन या रेडियो हवाई/सैटेलाइट डिश के टूटने या गिरने से और नागिरक अधिकारियों द्वारा आग बुझाने के दौरान होने वाली क्षति को कवर करता है।

पूछे जाने वाले प्रश्न : भाग 1

क्या बैंक लॉकर में रखा सामान कवर हो सकता है?

नहीं। घरेलू बीमा पॉलिसी में केवल जहां आप रहते उस घर की सामग्री ही कवर होती है। इसलिए, लॉकर की सामग्री कवर नहीं हो सकती। हालांकि, कुछ बीमा कंपनियां अलग से बीमा देती है जो बैंक लॉकर की सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पेशकश करती है।

क्या यह होम लोन को कवर करता है?

एक निजी बीमाकर्ता के मामले के अलावा, होम लोन राशि पर बीमा कवर निर्माण/सीधे तौर पर फ्लैट/अपार्टमेंट खरीदना इस योजना के अंतर्गत उपलब्ध नहीं है। हालांकि बैंक जरूरत के अनुसार योजना बीमा के साथ कवर मृत्यु/अक्षमता निजी दुर्घटना के कारण गृह ऋण की किसी भी बकाया राशि पर बीमा कंपनी जिसके साथ संबद्ध है वह उधारकर्ता को कवर करता है। यह कवर होम लोन की अदायगी के बोझ से कानूनी वारिसों को बचाता है, क्योंकि बीमा कंपनी सीधे तौर पर मृतक उधारकर्ता के ऋण खाते के दावे को माफ कर देती हैं।

क्या यह सुनामी की क्षति को कवर करता है?

अब तक इस रूप में किसी भी बीमा कंपनी द्वारा कवर नहीं दिया जा रहा है।

13 कंपनियों के उत्पादों का तुलनात्मक अध्ययन

भारत में, चार सार्वजनिक क्षेत्र की और नौ निजी क्षेत्र की कंपनियां वर्तमान में घरेलू पैकेज योजना की पेशकश कर रही है और हमने उत्पादों का तुलनात्मक अध्ययन यह जानने के लिए शुरू किया कि कौन सा सौदा सबसे बेहतर, अच्छा और उपयुक्त खरीद है। हालांकि हमने उत्पाद की विशेषताओं की पहचान के लिए सबसे पहले जरूरी प्रभावित करने वाली चीजों या चर वस्तुओं को लिया जोकि उपभोक्ताओं की धारणा/प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

प्रभावित करने वाले बिंदु

सार्वजनिक देनदारी : इस कवर में सामान्य लोगों के प्रति, दुर्घटनावश मृत्यु, शारीरिक क्षति या संपत्ति का नुकसान साथ ही साथ किसी कर्मचारी को किसी प्रकार की चोट लगने या मृत्यु होने पर नौकरी से बाहर/दौरान कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 के अंतर्गत, देनदारी होती है। किरायेदार के रूप में (किरायेदारी के समझौते के अंतर्गत) भवन के क्षतिग्रस्त होने पर घर के मालिक के प्रति उसकी कानूनी देनदारी, विद्युत अधिष्ठापन और उसके घर के अन्य साज–सामान भी कवर होते हैं (केवल कुछ बीमा कंपनियां ही इस प्रकार की पेशकश करती है)

नौकरों के प्रति कानूनी देनदारी : यह बीमा कवर आपके घरेलू नौकरों के प्रति, जिसमें चालक और माली भी शामिल हैं, कानूनी देनदारी के लिए है, इसके तहत, घातक दुर्घटना अधिनियम, 1855/कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 (केवल कुछ बीमा कंपनियां ही यह पेशकश करती है) आते हैं।

थर्ड पार्टी के प्रति कानूनी देनदारी : जीवन की क्षति/व्यक्तियों/संपत्ति को नुकसान होने पर यह बीमा कवर भारतीय कानूनों के अनुसार थर्ड पार्टी को मुआवजा की देनदारी करता है (केवल कुछ बीमा कंपनियां ही यह पेशकश करती है)।

व्यावसायिक शुल्क (फीस) : आर्किटेक्ट, कन्सलटिंग अभियंता, सर्वेक्षणकर्ता आदि के व्यावसायिक शुल्क के भुगतान के लिए यह बीमा कवर है, जो दावा की गई राशि के अधिकतम प्रतिशत की प्रतिपूर्ति होगी (केवल कुछ बीमा कंपनियां ही यह पेशकश करती है)।

प्लेट ग्लास : घर के अंदर सुरक्षित रूप से लगा हुआ प्लेट ग्लास किसी दुर्घटनावश क्षतिग्रस्त होने या टूट जाने पर यह बीमा कवर है।

ऋण भुगतान सुरक्षा : बीमारी या चोट के कारण पूरी तरह से अक्षमता की स्थिति में अधिकतम समय सीमा 12 महीने के लिए है यह बीमा कवर विभिन्न प्रकार की संपत्ति जैसे बीमाकृत या उसके परिवार का घर, गाड़ी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर लिए गए ऋण की किस्तों के भुगतान को सुरक्षा प्रदान करता है।

अतिरिक्त किराये का खर्च : आपदा के कारण बीमाकृत किसी अन्य वैकल्पिक आवास में चले जाने की स्थिति में किराये के भुगतान करने के लिए अतिरिक्त खर्च इस बीमा पॉलिसी के अंतर्गत कवर होगा।

कंस्यूमर वॉयस का सुझाव

उत्तम खरीद
इफको टोकियो

अच्छी खरीद
यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस

काफी अच्छी खरीद
भारती एएक्सए

घर का बीमा

वॉयस भारांक (मानदंड) अंक 100	हाउसहोल्ड पैकेज पॉलिसी	द न्यू इंडिया एश्योरेंस	ओरियंटल इंश्योरेंस	नेशनल इंश्योरेंस	यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस	
आमतौर पर बीमा कंपनियों द्वारा कवर किया जाने वाला	आग	हां	हां	हां	हां	
	घर तोड़ना	हां	हां	हां	हां	
	सेंध	हां	हां	हां	हां	
	सभी खतरे (आभूषण एवं कीमती वस्तुएं)	हां	हां	हां	हां	
	प्लेट ग्लास	हां	हां	हां	हां	
	घरेलू उपकरणों का टूटना	हां	हां	हां	हां	
	टीवी, वीसीपी/वीसीआर, पीसी, लैपटॉप	हां	हां	हां	हां	
	पैडल साइकिल	हां	हां	हां	हां	
	बैगेज	हां	हां	हां	हां	
15	निजी दुर्घटना	हां (15)	हां (15)	नही (0)	हां (15)	
10	ऋण भुगतान सुरक्षा	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	
10	सार्वजनिक देनदारी	हां (15)	हां (10)	नही (0)	हां (10)	
5	किराए के अतिरिक्त खर्च	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	
5	पेशा संबंधी शुल्क (फीस)	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	
5	नौकरों की ओर कानूनी दायित्व	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	हां (5)	
10	तीसरे पक्ष की ओर कानूनी दायित्व	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	हां (10)	
5	दस्तावेजों की हानि	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	
35	उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया	31	30	31	30	
कुल		56	55	31	70	

टिप्पणियां :

ए) यहां जो जानकारी दी गई है उसका स्रोत कंपनी की वेबसाइट और विवरणिका है।

बी) बीमित राशि और प्रीमियम व्यक्तिगत कवर पर निर्भर है और समय की अवधि के लिए चुना है।

सी) इस अध्ययन के लिए, हमने केवल उन बीमा कंपनियों को चुना है जो एक बीमा उत्पाद के रूप में 'घरेलू' पैकेज बीमा योजना की पेशकश करते हैं।

जब आप बीमा पॉलिसी खरीदने का निर्णय लें

- ✓ इस बात की जांच कर लें कि जो कंपनी पॉलिसी बेच रही है वो आईआरडीए के अंतर्गत पंजीकृत है या नहीं।
- ✓ यह बात सुनिश्चित कर लें कि आप मान्यताप्राप्त एजेंट या ब्रोकर से पॉलिसी खरीदे रहे हैं। उससे पहचानपत्र या प्रमाणपत्र की मांग करें।
- ✓ आप चाहें तो कंपनी से भी सीधे पॉलिसी खरीद सकते हैं।
- ✓ पॉलिसी विवरणिका/सूचीपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ें और इस बात की जानकारी प्राप्त कर लें कि पॉलिसी किसे कवर कर रही है और किसे नहीं।

	एसबीआई जनरल	रॉयल सुंदरम	आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड	बजाज अलियांज	इफको टोकियो	एचडीएफसी एर्गो	रिलायंस	भारती ए एक्सए	टाटा एआईजी
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
	नहीं (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	हां (15)	हां (15)	नहीं (0)	हां (15)	हां (15)	हां (15)
	नही (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नही (0)	हां (15)	नहीं (0)	नही (0)	नही (0)	नही (0)
	नही (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	हां (10)	हां (10)	नहीं (0)	हां (10)	नही (0)	हां (10)
	नही (0)	नहीं (0)	हां (5)	नही (0)	हां (5)	नही (0)	नही (0)	हां (5)	हां (5)
	नही (0)	हां (5)	नहीं (0)	नही (0)	हां (5)	नहीं (0)	नही (0)	नही (0)	नही (0)
	नही (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नही (0)	नही (0)	नहीं (0)	हां (5)	हां (5)	नही (0)
	नही (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नही (0)	नही (0)	नहीं (0)	हां (10)	नही (0)	नही (0)
	नही (0)	नहीं (0)	नहीं (0)	नही (0)	नही (0)	नहीं (0)	नही (0)	हां (5)	नही (0)
	17	27	32	27	30	30	15	22	27
	17	32	37	52	75	30	55	62	57

पूछे जाने वाले प्रश्न : भाग 2

क्या शामिल नहीं हैं?

ए) संरचना में शामिल नहीं हैं : निर्माणाधीन संपत्ति, आवासीय संपत्ति का व्यावसायिक/व्यापारिक उद्देश्यों के प्रयोग और कच्चा निर्माण (निम्न स्तरीय)

बी) सामग्री में शामिल नहीं हैं : किताबें, पांडुलिपि, रुपये (कई इसे कवर नहीं करते हैं), बॉन्ड, शेयर, प्रतिभूतियों, उपभोज्य वस्तुएं, गाड़ियां आदि।

सी) जान–बूझकर तोड़ी गई संपत्ति।

डी) नुकसान, क्षति या विनाश लापरवाही, टूट फूट, गृहयुद्ध और परमाणु हथियार आदि के कारण।

ई) आतंकवाद (कुछ बीमा कंपनियां बीमा के इस खतरे को कवर करने के लिए अतिरिक्त प्रीमियम लेती है)

किन परिस्थितियों में अतिरिक्त प्रीमियम भरने की जरूरत होती है?

उपभोक्ता ऐसी योजना चुन सकते है जिसमें सुनिश्चित राशि या सम एश्योर्ड हर साल एक तय प्रतिशत में बढ़ जाता है। कुछ बीमाकर्ता इस प्रकार की योजना की पेशकश थोड़े बहुत प्रीमियम के साथ करती है। अन्यथा, संरचरना से जुड़े खतरों के आकलन, भौतिक परिसंपत्ति आदि, के आधार पर अतिरिक्त प्रीमियम लेती है। यदि आप स्थाई रोजगार पर घरेलू नौकरों (नौकरानियां, चालक) को भी इसमें शामिल करते हैं तो अतिरिक्त प्रीमियम देना होता है– यह नौकरों/थर्ड पार्टी के प्रति कानूनी देनदारी के अंतर्गत आता है।

बिना अतिरिक्त प्रीमियम के क्या शामिल है?

इसमें महंगी सामग्री, विद्युत उपकरण जैसे लैपटॉप और टेलीविजन, बहुमूल्य चीजें जैसे रत्न और गहने, उपकरण जैसे वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर, किचन से जुड़े उपकरण, फर्नीचर और सजावट के सामान, व्यक्तिगत दुर्घटना आदि शामिल होंगे। हालांकि अलग–अलग कंपनियों में शामिल होने वाली चीजें भिन्न होती हैं और उसे मानकीकृत नहीं कर सकते।

बीमा पॉलिसी की अवधि

आमतौर पर होम इंश्योरेंस की अवधि एक साल की होती है और बाद में उसका नवीकरण किया जा सकता है। कुछ बीमाकर्ता 30 साल की अवधि वाली योजना की पेशकश करते हैं।

फायदे एवं सीमाएं

फायदे

- ✓ संपत्ति निवेश को लेकर आपको पूरी तरह से मानसिक शांति प्राप्त हो सकती है।
- ✓ जब आप छुट्टी/यात्रा पर कहीं बाहर हों तो अपने घर और उसकी सुरक्षा को लेकर कम चिंता होगी।
- ✓ नाममात्र के प्रीमियम के लिए (प्रति 1,000 रु. पर 0.50 पैसे), बीमा पॉलिसी में यह सबसे सस्ता प्रीमियम है।
- ✓ कुछ बीमाकर्ता प्रीमियम पर छूट की भी पेशकश करते हैं (यहां तक कि 50 प्रतिशत से अधिक भी) यदि कोई लंबी–अवधि के लिए पॉलिसी लेता है।
- ✓ संचरना/संपत्ति को अनजाने में हुई क्षति की मरम्मत/भरपाई के साथ पर्याप्त रूप से मुआवजा मिल जाता है, पट्टे पर किराये का भुगतान (एक साल तक) से परेशानियां और दस्तावेजीकरण कम से कम हो जाते हैं।

सीमाएं

- ✗ कवर की गई आपदाऐं एक जैसी नहीं है। जब होम इंश्योरेंस उत्पाद की पेशकश की तुलना कर रहा हो तो उपभोक्ता पूर्व निर्धारित निर्णय तुरंत नहीं ले पाता ।
- ✗ सम एश्योर्ड और प्रीमियम स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ये भवन के जोखिम आकलन (मूल्य, उम्र और निर्माण की श्रेणी), भौतिक परिसंपत्ति और अतिरिक्त बीमा कवर पर आधारित होता है।
- ✗ प्रत्येक क्षतिग्रस्त वस्तु के लिए एक–एक करके अधिकतम मुआवजे की सीमा तय करने के कारण कीमती वस्तुओं का पूरा मुआवजा नाकाम हो जाता है।
- ✗ भूकंप (आग और झटके) के कारण संरचना को हुई क्षति कुछ पॉलिसी में कवर होती है लेकिन कभी–कभार ही होम इंश्योरेंस दावे में तय हो पाता है।

क्या करें और क्या नहीं

क्या करें

जब आपने संपत्ति बीमा पॉलिसी खरीदी हो तो क्या करना चाहिए :

- ✓ यह बात जान लें कि जो संपत्ति आपने खरीदी है केवल उसी का बीमा करा सकते हैं।
- ✓ दावे के समय यह बात सुनिश्चित कर लें कि आपके पास स्वामित्व और मूल्य के संबंध में दस्तावेज के रूप में साक्ष्य हो। अपने कीमती सामान की खरीद से जुड़ी सारी रसीदें और कागजात सुरक्षित तरीके से अपने पास रखें। यदि आप किसी साक्ष्य को संरक्षित नहीं रख पा रहे हैं तो उन सामानों और खरीद के कागजात की तस्वीरें खींचकर उन्हें क्रम संख्या के साथ ऑनलाइन क्लाउड आधारित सेवाओं जैसे ड्रॉपबॉक्स में सुरक्षित कर सकते हैं। खरीदी की तारीख और उसके मूल्य का उल्लेख करना ना भूलें।
- ✓ वार्षिक आधार पर अपने घरेलू सामान गहनों से लेकर विद्युत उपकरणों के बारे में लिखित सूची बनाएं। नई सूची को बीमा कंपनी के पास उनके रिकॉर्ड के लिए जमा कर दें।
- ✓ जिस संपत्ति को कवर करना है उसका पूरा और सटीक विवरण, पता और स्थान लिखें।
- ✓ बिचौलिए या बीमाकर्ता से सम एश्योर्ड को तय करने के आधार के बारे में जानकारी और विस्तृत विवरण मांगे। यह हो सकता है : ए) बाजार मूल्य– जहां विमूल्यन को ध्यान में रखकर आधारित किया जाता हो, या बी) बहाली मूल्य–जहां संपत्ति के प्रतिस्थापन की लागत को ध्यान में रख कर आधारित जाता हो। यह आधारभूत चीजें हैं जिस पर दावा की गई राशि का भुगतान किया जाता है।
- ✓ एड–ओन के बारे में जानकारी देने को कहें; उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार चुनें।

क्या नहीं करें

- ✗ किसी अन्य को अपना प्रस्ताव आवेदन भरने ना दें
- ✗ संपत्ति और अन्य उपकरणों के बारे में कोई भी तथ्य छुपाएं या गलत जानकारी ना दें।
- ✗ अपनी संपत्ति के बारे में कोई भी गलत मूल्य घोषित ना करें और दावे के समय विवाद ना झेलें।

स्रोत : बीमा विनियामक और भारतीय विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई)

पूछे जाने वाले प्रश्न : भाग 3

अपनी इमारत का बीमा क्यों कराना चाहिए? हो सकता है आग इमारत को कोई नुकसान न पहुंचाए?
आग और अन्य आपदा (आमतौर पर आग बीमा पॉलिसी के तहत कवर हो जाता है) इमारत को नुकसान/क्षति पहुंचा सकता है। आग के कारण कई ऐसे हादसे हुए है जिसमें बहुमंजिला इमारत पूरी तर से ध्वस्त हो गई। बाढ़ भी विनाशकारी नुकसान ला सकती है। उसी प्रकार दंगे और आतंकवादी घटना बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी के साथ उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

किसी ने अपनी इमारत को कवर करने के लिए बीमा पॉलिसी ली है। जिस बैंक ने उसके व्यापार के लिए ऋण दिया, उसने उस इमारत का बीमा अलग से किया है। दोनों पॉलिसी प्रभावशाली हैं जो एक ही संपत्ति को कवर करती हैं। फिर दावे का निर्धारण कैसे होगा?
दावे की स्थिति में प्रत्येक बीमाकर्ता योगदान के सिद्धांत के अनुसार अपनी संबंधित नीतियों के तहत सम एश्योर्ड के अनुपात में नुकसान हुई राशि का भुगतान करेगा। क्षतिपूर्ति के सिद्धांत का उद्देश्य बीमाकृत को उसी स्थान पर रखना है जिसपर घटना से पहले उसका कब्जा था। प्रत्येक पॉलिसी के अंतर्गत क्षति की पूरी राशि का दावा करने से बीमाकृत को रोका जाता है। बीमा कंपनी बीमाकृत की क्षतिपूर्ति केवल वास्तविक हद तक क्षति की भरपाई करती है जिसमें विमूल्यन, पॉलिसी आधिक्य आदि शामिल है; और नुकसान से मुनाफा कमाने की अनुमति नहीं देती है।

घर से बाहर जाने पर घरेलू सामानों की सेंधमारी पर कवर के लिए कौन सी पॉलिसी लेनी चाहिए?
सेंधमारी के खतरे से बचाने के लिए सामानों के लिए सेंधमारी बीमा पॉलिसी है। एक सेंधमारी बीमा पॉलिसी चोरी के खिलाफ कवर का विस्तार प्रस्तुत कर सकती है। सेंधमारी बीमा पॉलिसी आमतौर पर संचलित नही रहती यदि एक तय अवधि के बाद घर बसा नहीं हो, जब तक कि आप बीमा कंपनी को इसकी सूचना नहीं देते और फिर बीमा कंपनी खासतौर से कवर का विस्तार करने को तैयार हो जाएं भले ही जब घर बसा न हो। यह एक बेहतर विचार है कि आपके पास हमेशा सेंधमारी से बचाव के लिए पॉलिसी हो, न कि केवल घर से दूर रहने पर की पॉलिसी। यदि आप केवल एक पॉलिसी लेना चाहते हैं यह सुनिश्चित करने के लिए जब घर बंद हो तो वह सामानों की सुरक्षा हो सके तो हो सकता एक बेह ना मिले।

गहने कवर करने के लिए कौन–सी पॉलिसी लेनी चाहिए?
बीमाकर्ता गहनों को कवर करने के लिए 'सभी जोखिम' पॉलिसी की पेशकश करती है। यह बात सुनिश्चित कर लें कि आपके गहनों का मूल्य सही तरीके से किया गया हो और जब दावा करने का समय आए तो आप उसके मूल्य के संबंध में साक्ष्य दिखा सकें। 'सभी जोखिम' पॉलिसी के साथ अपवाद भी जुड़ा है, इसलिए नियम–शर्तों को विस्तार से पढ़ें।

बीमाकृत व्यक्ति के दायित्व

- ✓ सभी बीमाकृत व्यक्ति से यह उम्मीद की जाती है कि वह ऐसे व्यवहार करे जैसे कि वह बीमित नहीं है। यह बेहतर है कि सभी जरूरी एहतियात बचाव/बड़े नुकसान के लिए बरते जाएं।
- ✓ अपने क्षेत्र के पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने के बाद, कृपया अपनी बीमा कंपनी को जानकारी दे दें– वो आपको नुकसान के निरीक्षण का मौका देंगे। आग की स्थिति में, सबसे पहले आग बुझाने वाले दमकल को बुलाएं। आग बुझाने के दौरान पानी के कारण किसी भी प्रकार की क्षति अन्य बीमित संपत्ति को होती है तो उसका भुगतान बीमा कंपनी करेगी।
- ✓ सर्वेक्षणकर्ता के साथ सहयोग करें जब वो नुकसान का जायजा और आकलन कर रहे हों। यदि सर्वेक्षणकर्ता देरी से पहुंचने वाले हैं तो आप तस्वीरें ले सकते हैं और अप्रभावित सामानों को सुरक्षित जगह पर रख सकते हैं।
- ✓ अपने दावे की राशि के प्राप्ति में सहयोग के लिए बीमाकर्ता द्वारा आवश्यक संपूर्ण दावा आवेदन और कागजात कृपया उन्हें दें। मरम्मत/बदलने के बाद उनके बिल बीमाकर्ता को सौंप देना चाहिए।

सुनामी के लिए बीमा कवर

हाल के वर्षों में विनाशकारी सुनामी– भारत के तटीय इलाकों को विनाशकारी सुनामी ने 2004 में उजाड़ दिया था और 2011 में आई जापान में एक सुनामी– कई मकानमालिकों को यह सोचना पड़ा यदि होम इंश्योरेंस सुनामी की क्षति को कवर कर पाता। हालांकि, बीमा कंपनियां अभी भी सुनामी पॉलिसी नहीं देतीं और पूरी दुनिया में, सुनामी बीमा में केवल एक ही विकल्प कवर पाने का वह है प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, जमीन के खिसकने, भूकंप और ज्वालामुखी प्रतिक्रिया के जरिए।

भारतीय प्रायद्वीप तीनों ओर जल निकायों से घिरा हुआ है; इसलिए जो लोग तटीय क्षेत्र में रह रहे वो भूकंप की चपेट में आने वाले क्षेत्र हैं जिन्हें सुनामी कवरेज की जरूरत है। जो लोग अंदरूनी हिस्सों में, आराम से समुद्र से काफी दूरी पर रह रहे हैं उन्हें सुनामी बीमा की जरूरत नहीं है।

सुनामी कवर क्यों नहीं

सुनामी शब्द जापानी शब्द है, जिसको वैज्ञानिक समुदाय ने सुनामी से होने वाले नुकसान और बाढ़ के अन्य रूपों से होने वाले नुकसान में अंतर करने के लिए खोजा है। भूकंप, अंतःसमुद्री भूस्खलन और ज्वालामुखी विस्फोट इन जानलेवा लहरों के कुछ प्रमुख स्रोत हैं।

सुनामी के लक्षण अन्य प्रमुख विपत्तियों से इसे अलग करते हैं कि यह किसी एक कारण से उत्पन्न नहीं होता है। जैसा कि कुछ विशेषज्ञ कहते हैं सुनामी भूकंप के कारण होता है तो यह केवल छोटी सी परिभाषा है। हालांकि 'भूकंप' बहुत ही छोटा कारण है सुनामी को परिभाषित करने के लिए, 'पृथ्वी का चलना' विस्तृत शब्द है जिसमें भूकंप, भूस्खलन, पत्थरों का खिसकना, कीचड़ का धंसना, घटाव आदि इसमें शामिल हैं। इसलिए यह अच्छा है कि भूकंप और बाढ़ दोनों के लिए बीमा ले लिया जाए।

बीमा कवरेज के लिए संभावित प्रकार

भारत में, सुनामी के कारण होने वाली आपदा कुछ विशेष कवरेज के जरिए घर, ऑटो और आग में बीमित होने पर और विशेष आपदा बीमा पॉलिसी के तहत मिल सकती है।